नए नियम की खोज

परीक्षण उत्तर कुंजी

डॉ. रैंनडाल मेकएल्विन

shepherds
GLOBAL CLASSROOM

पाठ 1 प्रश्न के उत्तर

1. पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ते हुए, पलिश्तीन के तीन भौगोलिक क्षेत्रों को सूचीबद्ध करें।

   तटीय मैदान केंद्रीय पर्वतीय क्षेत्र यरदन घाटी

2. यीशु की सेवकाई के लिए सामरिया का क्या महत्व है?

   यह यहूदिया और गलील के बीच स्थित है। अधिकतर यहूदी इससे दूर रहते थे। यीशु कुएँ के पास उस महिला की सेवा करने गया।

3. प्रारंभिक कलीसिया में यूनानी भाषा के तीन योगदानों को सूचीबद्ध करें।

   यह सुसमाचार के प्रसार के लिए एक आम भाषा थी

   धार्मिक अवधारणाओं को संप्रेषित करने के लिए यह एक सटीक भाषा थी

   सेप्टुआजेंट, पुराने नियम का यूनानी भाषा में अनुवाद था

4. *पैक्स रोमाना* को परिभाषित करें।

   रोमन शांति जो पूरे रोमन साम्राज्य में लोगों को सुरक्षित रूप से यात्रा करने देती थी।

5. यहूदी समुदाय में आराधनालय की चार भूमिकाओं को सूचीबद्ध करें।

   धार्मिक उपासना बच्चों के लिए शिक्षा

   धार्मिक और नागरिक मुद्दों के लिए स्थानीय अदालत सामाजिक परस्परक्रिया

6. फरीसियों और मसीहियों की शिक्षाओं में कौन सी बातें मिलती-जुलती थीं?

   पुनरुत्थान, स्वर्गदूत, प्रार्थना, आने वाला मसीहा और पुराने नियम के लिए सम्मान।

7. फरीसी और सदूकियों के बीच प्राथमिक सैद्धांतिक मतभेद क्या थे?

   सदूकी भविष्यद्वाणी की पुस्तकों को अस्वीकार करते थे। वे स्वर्गदूतों, आत्माओं और पुनरुत्थान के विषय में यहूदी शिक्षाओं को अस्वीकार करते थे।

8. नये नियम कैनन के गठन के दो कारणों को सूचीबद्ध करें।

झूठी शिक्षा

सताव

9. नये नियम कैनन की स्थापना में उपयोग किए गए तीन मानकों को सूचीबद्ध करें।

लेखक को एक प्रेरित होना चाहिए या किसी प्रेरित के साथ निकटता से जुड़ा होना चाहिए।

संदेश का पुराने नियम के साथ कोई मतभेद नहीं होना चाहिए। यह यीशु के संदेश के प्रति विश्वासयोग्य होना चाहिए। यह आत्मिक रूप से शिक्षाप्रद होना चाहिए।

पुस्तक को पूरी कलीसिया द्वारा स्वीकार किया जाना चाहिए।

10. शब्द ''लेखों की सत्यनिष्ठा'' नए नियम से संबंधित किस मुद्दे को संबोधित करता है?

क्या जो लेख हमने प्राप्त किया है, वह मूल हस्तलिपियों के अनुरूप है?

पाठ 2 के प्रश्नों के उत्तर

1. पहले तीन सुसमाचारों को सिनॉप्टिक सुसमाचार क्यों कहते हैं?

वे एक जैसी घटनाओं के तीन अलग-अलग दृष्टिकोण प्रदान करते हैं।

2. तीन प्रमाण दीजिए कि मत्ती का सुसमाचार यहूदी लोगों को संबोधित था।

कोई भी तीनः यह यहूदी रीति-रिवाजों की व्याख्या नहीं करता
यह बार-बार पुराने नियम के वचनों का हवाला देता है
यह यीशु के विषय में पुराने नियम की भविष्यद्वाणी की पूर्ति पर ध्यान देता है
यह ''परमेश्वर के राज्य'' के बजाय ''स्वर्ग का राज्य'' वाक्यांश का उपयोग करता है।

3. मत्ती के तीन प्रमुख विषयों को सूचीबद्ध करें।

यीशु राजा के रूप में यीशु पुराने नियम की पूर्ति के रूप में
यीशु के उपदेश

4. मरकुस के तीन प्रमुख विषयों को सूचीबद्ध करें।

सेवक यीशु यीशु परमेश्वर का पुत्र मसीहाई रहस्य

5. मरकुस के मसीहाई रहस्य से संबंधित तीन श्रोताओं की सूची बनाएं और समझाएं।

दुष्टात्माएं: यीशु नहीं चाहता था कि उसे दुष्टात्माओं के साथ जोड़ा जाए

जिनको उसने चंगा किया: यीशु चंगाई की तलाश कर रही भीड़ के दबाव से बचना चाहता था

चेले: उन्होंने अभी तक मसीहा के रूप में उसकी भूमिका को नहीं समझा था

6. थियुफिलुस के विषय में हम क्या जानते हैं? और लूका के विषय में?

थियुफिलुस एक रोमन अधिकारी था, जो शायद एक नया विश्वासी होगा

लूका एक अन्यजाति डॉक्टर था जो पौलुस के साथ यात्रा करता था

7. चालडोनियन का सिद्धांत यीशु के व्यक्तित्व के विषय में क्या सिखाता है?

वह पूर्ण रूप से परमेश्वर है और पूर्ण रूप से मनुष्य है।

8. लूका के चार प्रमुख विषयों की सूची बनाएं।

यीशु मनुष्य के पुत्र के रूप में यीशु दुनिया के उद्धारकर्ता के रूप में

प्रार्थना का महत्व पवित्र आत्मा का महत्व

9. लूका में निम्न सामाजिक प्रतिष्ठा वाले लोगों के प्रति यीशु की सेवकाई के तीन उदाहरणों को सूचीबद्ध करें।

कोई भी तीन: चरवाहे यीशु की सेवकाई में शामिल महिलाएँ

जक्कई सामरी क्रूस पर लटका चोर

10. ीशु के सांसारिक जीवन के दौरान पवित्र आत्मा के कार्यों के तीन उदाहरणों को सूचीबद्ध करें।

कोई भी तीन: यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला, इलीशिबा और जकर्याह

यीशु का जन्म शमौन

यीशु का बपतिस्मा यीशु की परीक्षा

गलील में यीशु की सेवकाई

पाठ 3 के प्रश्नों के उत्तर

1. यूहन्ना की पुस्तक के लेखन के विषय में पॉलीकार्प की गवाही क्यों विशेष रूप से महत्वपूर्ण है?

   पॉलीकार्प प्रेरित यूहन्ना का चेला था।

2. यूहन्ना का अपने सुसमाचार के लिए क्या उद्देश्य था?

   यूहन्ना का उद्देश्य यह था ''कि तुम विश्वास करो कि यीशु ही परमेश्वर का पुत्र मसीह है और विश्वास करके उसके नाम से जीवन पाओ।''

3. यूहन्ना के सुसमाचार की विषय वस्तु में यूहन्ना के उद्देश्य को कैसे देखा जाता है?

   उसने ऐसे सात ''चिन्हों'' को शामिल किया जो दिखाते हैं कि यीशु ही मसीह है।

   उसने ईश्वरत्व के प्रति यीशु की गवाहियों को शामिल किया।

4. यीशु की वंशावली के बारे में यूहन्ना की प्रस्तावना क्या दर्शाती है?

   यह एक ''दिव्य वंशावली'' है जो यीशु को परमेश्वर के शाश्वत वचन के रूप में दर्शाती है।

5. यूहन्ना में दिये सात ''चिन्हों'' को सूचीबद्ध करें।

   काना में पानी को दाखरस में बदलना

   कफरनहूम में एक अधिकारी के बेटे को चंगा करना

   बेतहसदा में लकवाग्रस्त व्यक्ति को चंगा करना

   5,000 लोगों को भोजन कराना

   पानी पर चलना

   जन्म से अंधे व्यक्ति को चंगा करना

   लाजर को मृतकों में से जिलाना

6. अपने ईश्वरत्व के विषय में यीशु द्वारा गवाहियों के तीन उदाहरण दें।

   नीकुदेमुस को यीशु की गवाही

   सामरी स्त्री को यीशु की गवाही

बेतहसदा में एक आदमी को चंगाई देने के बाद यीशु की गवाही

5,000 लोगों को भोजन कराने के बाद यीशु की गवाही

झोपड़ी के पर्व के समय यीशु की गवाही

यीशु की गवाही है कि ''पहले इसके कि अब्राहम उत्पन्न हुआ, मैं हूँ''

7. यीशु के ईश्वरत्व के दावों के बारे में यहूदी अगुओं की प्रतिक्रिया क्या थी?

   उन्होंने उसे मार डालने का प्रयास किया

8. यीशु की ''सर्वोच्च प्रार्थना'' में, उसने किन तीन चीज़ों के लिए प्रार्थना की?

   अपने लिएः कि पिता के माध्यम से उसकी महिमा होगी

   चेलों के लिएः कि वे सुरक्षित रहें और पवित्र किए जाएं

   सभी विश्वासियों के लिएः कि उनकी एकता दुनिया के लिए एक गवाही हो

पाठ 4 के प्रश्नों के उत्तर

1. पौलुस की सुसमाचार प्रचार की रणनीति के लिए इफिसुस क्यों महत्वपूर्ण था?

   यह एशिया के रोमन प्रांत की राजधानी थी।

2. पौलुस के सुसमाचार प्रचार की रणनीति के लिए रोम क्यों महत्वपूर्ण था?

   यह रोमन साम्राज्य का केंद्रीय शहर था।

3. प्रारंभिक कलीसिया के सताव के साथ कौन से रोमन सम्राट जुड़े हैं?

   नीरो और डोमिनिटियन

4. प्रेरितों के काम की पुस्तक की सबसे अधिक संभावित तारीखें 50 ईसा पश्चात के अंत या 60 ईसा पश्चात की शुरुआत की क्यों हैं?

   प्रेरितों के काम के अंत में पौलुस घर में नजरबंद है। उसने अभी तक अपनी आने वाली शहादत का सामना नहीं किया है

5. *करिग्मा* के तीन पहलुओं को सूचीबद्ध करें, प्रेरितों द्वारा प्रचारित मूल संदेश।

   यीशु मसीह की प्रभुता

   सुसमाचार का ऐतिहासिक सत्य

   विश्वास के माध्यम से अनुग्रह से उद्धार

6. वह पहला कौन सा मसीही था जो कुरबान हो गया?

   स्तिफनुस

7. प्रारंभिक कलीसिया द्वारा दूर इलाकों तक सुसमाचार सुनाते समय आये सताव की भूमिका क्या थी?

   इसने मसीहियों को यरूशलेम से बाहर जाने के लिए प्रेरित किया।

8. पहली सदी की प्राथमिक बहु-सांस्कृतिक और मिशनरी-भेजने वाली कलीसिया कौनसी थी?

   अंताकिया

9. यरुशलेम की सभा द्वारा अन्यजाती विश्वासियों से की गई चार मांगों को सूचीबद्ध करें।

   मूर्तियों को चढ़ाए जाने वाले मांस से दूर रहना

   गला घोटे हुए जानवर के मांस से दूर रहना

   लहू वाले मांस से दूर रहना

   व्यभिचार से बचना

10. पौलुस और बरनबास के बीच विभाजन से क्या सकारात्मक परिणाम उत्पन्न हुए?

    सिलास कलीसिया में एक महत्वपूर्ण कार्यकर्ता बन गया।

    पॉल और बरनबास के प्रयास उनके अलग-अलग काम करने से दोगुने हो गये।

पाठ 5 के प्रश्नों के उत्तर

1. रोमियों की पत्री के तीन उद्देश्यों को सूचीबद्ध कीजिए।

   तात्कालिक उद्देश्यः यहूदी और अन्य मसीहियों के बीच संबंध

   व्यक्तिगत प्रेरणाः स्पेन में पौलुस के सुसमाचार प्रचार के कार्य के लिए समर्थन

   अंतिम उद्देश्यः यह सिखाना कि कैसे हम परमेश्वर के सामने धर्मी ठहर सकते हैं।

2. रोमियों के परिचय में पाए जाने वाले सुसमाचार के विषय में चार सत्यों को सूचीबद्ध करें।

   पुराने नियम में इसकी भविष्यद्वाणी की गई थी।

   यह बताता है कि यीशु सचमुच मसीह और परमेश्वर का पुत्र था।

   यह उन सभी के लिए उद्धार पाने की सामर्थ है जो विश्वास करते हैं।

   यह उन सभी के लिए परमेश्वर की धार्मिकता को प्रकट करता है जो विश्वास करते हैं।

3. उन तीन समूहों की सूचीबद्धा करें जिन पर रोमियों 1-3 में दंड की आज्ञा है।

   अन्यजातियां, विशेष रूप से मूर्तीपूजक नैतिकतावादी

   यहूदी

4. रोमियों 6 में, उस व्यक्ति के लिए पौलुस का जवाब क्या है, जो यह पूछता है कि क्या हम पाप करते रहें ताकि अनुग्रह भरपूर हो?

   जब हम मसीह में बपतिस्मा लेते हैं तो हम पाप करने के लिए मर जाते हैं। हम फिर पाप में नहीं जी सकते।

5. रोमियों 7:7-25 की तीन व्याख्याएँ क्या हैं?

   पौलुस सामान्य मसीही जीवन का वर्णन करता है।

   पौलुस एक अपवित्र विश्वासी का वर्णन करता है।

   पौलुस एक जागृत पापी का वर्णन करता है।

6. पौलुस तीन सत्यों के साथ इस्राएल के अविश्वास की समस्या का जवाब देता है। उन सत्यों को सूचीबद्ध कीजिए।

   परमेश्वर के वादे *केवल* विश्वासियों के लिए हैं।

   इस्राएल को उसके अविश्वास के कारण त्याग दिया गया।

   इस्राएल का त्याग अस्थायी है, अंतिम नहीं है।

7. रोमियों 12-15 में से, परमेश्वर के धार्मिक जीवन जीने के तीन तरीकों को सूचीबद्ध करें।

   कोई भी तीनः

   हम अपने आत्मिक उपहारों का इस्तेमाल दूसरों की सेवा करने के लिए करेंगे।

   हम दूसरों के साथ ऐसे व्यवहार करेंगे जो सच्ची मसीहत के चिह्नों को दर्शाता है।

   हम शासकीय अधिकारियों के अधीन रहेंगे।

   हम व्यवस्था को प्रेम से पूरा करेंगे।

   हम अपने भाई का न्याय न करके स्वतंत्रता के सिद्धांत को व्यवहार में लायेंगे।

   हम इस तरह से स्वतंत्रता का प्रयोग करके प्रेम के सिद्धांत को व्यवहार में लायेंगे, जिससे कोई कमज़ोर भाई ठोकर न खाए।

   हम मसीह के उदाहरण का अनुसरण करेंगे।

पाठ 6 के प्रश्नों के उत्तर

1. पौलुस के सुसमाचार सुनाने की रणनीति के रूप में कुरिन्थुस एक महत्वपूर्ण स्थान क्यों था?

   इसका स्थान पूरे साम्राज्य के नाविकों को आकर्षित करता था।

2. कुरिन्थुस में कलीसिया स्थापित करने में पौलुस के साथ किसने काम किया?

   एक्विला और प्रिस्किल्ला

3. कुरिन्थुस की वे कौनसी समस्याएँ थीं जिससे पौलुस को 1 कुरिन्थियों लिखने की प्रेरणा मिली?

कलीसिया में विभाजन; खुले पाप को सहन किया जा रहा था; पौलुस के अधिकार को नकारा जा रहा था।

4. कौनसा वाक्यांश सवालों की शुरूआत करता है, जिसका जवाब पौलुस 1 कुरिन्थियों में देता है?

''अब इस विषय में....''

5. उन तीन विषयों को सूचीबद्ध कीजिए, जिनको पौलुस 2 कुरिन्थियों में संबोधित करता है।

पौलुस की प्रेरिताई की रक्षा

पौलुस की खराई की रक्षा

पौलुस की तीसरी यात्रा की योजनाएं

6. गलातियों को लिखे पौलुस के पत्र का उद्देश्य क्या है?

उनको जुडाइज़र के झूठे सुसमाचार से प्रेम की व्यवस्था में बुलाना

7. जुडाइज़र की झूठी शिक्षा क्या थी?

''हमारा विश्वास और व्यवस्था द्वारा उद्धार होता है।''

8. वह कौन सा विकल्प है जिसे गलातियों में पेश किया गया है?

मसीह में स्वतंत्रता या देह में बंधन

9. व्यवस्थावादी को परिभाषित करें।

व्यवस्थावादी वह व्यक्ति होता है जो उद्धार अर्जित करने के लिए परमेश्वर की व्यवस्था का पालन करता है।

10. व्यवस्थावाद के खिलाफ अपने तर्क में, पौलुस ने चार बातों का उल्लेख किया। वे क्या हैं?

पौलुस का अनुभव

गलातियों का अनुभव

अब्राहम का अनुभव

व्यवस्था स्वयं

पाठ 7 के प्रश्नों के उत्तर

1. जेल की पत्रियों को कब और कहाँ से लिखा गया था?

   60 ईसा पश्चात की शुरुआत में रोम से

2. इफिसियों में कोई निजी अभिवादन क्यों नहीं है?

   क्योंकि यह एक सर्क्युलर पत्र था जिसे कुलुस्से के साथ साझा किया जाना था

3. इफिसियों के दो बड़े विभागों को सूचीबद्ध करें।

   सिद्धांतः परमेश्वर ने कलीसिया के लिए क्या किया है

   प्रयोगः कलीसिया में परमेश्वर क्या कार्य कर रहा है

4. इफिसियों 1 से, त्रिएकता के प्रत्येक सदस्य की हमारे उद्धार में भूमिका को सूचीबद्ध करें।

   पिताः चुनाव करता है

   बेटाः छुड़ाता है

   आत्माः संरक्षित करता है

5. इफिसियों 3 के अनुसार, ''सुसमाचार का रहस्य'' क्या है?

   कलीसिया का निर्माण एक देह के रूप में हुआ जो यहूदी और अन्यजातियों से बनी थी

6. फिलिप्पियों की कलीसिया के सामने आने वाले दो खतरों को सूचीबद्ध करें।

   बाहरी खतरे, जो जुडाइज़रों से थे

   आंतरिक फूट

7. फिलिप्पियों 2 में, इसका क्या मतलब है कि मसीह ने ''खुद को दीन किया''?

   वह मनुष्य बना। उसने अपने ईश्वरत्व को नहीं त्यागा।

8. किन तीन प्रभावों से कुलुस्सियों की कलीसिया में विरुद्ध मत उत्पन्न हुआ?

   रूढ़िवादी यहूदी शिक्षा

यहूदी रहस्यवाद

मूर्तीपूजकों के अनुष्ठान

9. सिंक्रेटिज़म (समन्वयवाद) को परिभाषित करें।

सिंक्रेटिज़म (समन्वयवाद) का अर्थ एक से अधिक धर्मों का सम्मिश्रण है।

10. उन तीन तरीकों को सूचीबद्ध करें, जिनके द्वारा जेल की पत्रियां आज की कलीसिया से बात करती हैं।

शिक्षा को दैनिक जीवन में लागू किया जाना चाहिए

आत्मिक युद्ध वास्तविक है, परन्तु मसीह ने पहले ही अंतिम जीत हासिल कर ली है

हमें वास्तविक दुनिया में मेलमिलाप के सुसमाचार के अनुसार अपना जीवन जीना चाहिए।

पाठ 8 के प्रश्नों के उत्तर

1. उन परिस्थितियों का वर्णन करें जिनमें कलीसिया को थिस्सलुनीका में स्थापित किया गया था।

यहूदियों की ओर से तीव्र विरोध

2. उन तीन तरीकों को सूचीबद्ध करें जिनसे पौलुस सताव की स्थिति में थिस्सलुनीका की कलीसिया को प्रोत्साहित करता है।

पौलुस की प्रार्थनाओं का आश्वासन

पौलुस द्वारा कलीसिया को अपनी पीड़ा का स्मरण कराया जाना

उनकी विश्वासयोग्यता के लिए धन्यवाद

3. पौलुस ने थिस्सलुनीकियों को मसीह की वापसी के समयों और कालों के विषय में क्या बताया?

उसका कलीसिया को इसके विषय में लिखना आवश्यक नहीं है।

4. पौलुस इन मसीहियों को पवित्रता के बारे में विशिष्ट प्रोत्साहन देता है। वह उन्हें क्या कहता है?

जो परमेश्वर उन्हें पवित्रता में बुलाता है, वह उन्हें पवित्र करेगा।

5. यदि 1 थिस्सलुनीकियों का एक प्राथमिक संदेश ''मसीह वापस आयेगा'' है, तो 2 थिस्सलुनीकियों का प्राथमिक संदेश क्या है?

   मसीह अभी तक नहीं लौटा है।

6. यदि हम पौलुस के उदाहरण का अनुसरण करते हैं, तो दूसरी वापसी के बारे में प्रचार करते समय हमें प्राथमिक रूप से किस बात पर ज़ोर देना चाहिए?

   मसीह की दूसरी वापसी की तैयारी के लिए आज कैसे जीएं

पाठ 9 के प्रश्नों के उत्तर

1. पासबानी के पत्रों की सबसे संभावित तारीख क्या है?

   वे 64 और 67 ईसा पश्चात के बीच लिखे गए थे।

2. एक तरीके की पहचान करें जो पौलुस को 2 तीमुथियुस और तीतुस की विषय वस्तु के लेखक के रूप में दर्शाता है।

   निम्न में से कोई भीः

   अपने सहकर्मियों का व्यक्तिगत रूप से उल्लेख करना

   भविष्य की योजनाएं

   पौलुस की आसन्न मृत्यु का उल्लेख

3. 1 तीमुथियुस लिखने के लिए पौलुस का क्या उद्देश्य था?

   तीमुथियुस को निर्देश देना और उसे प्रोत्साहित करना

4. झूठे शिक्षकों का सामना करने पर पौलुस की गवाही तीमुथियुस को किस प्रकार प्रोत्साहित करती है?

   पौलुस सुसमाचार का विरोधी रहा था, जिसने फिर दया प्राप्त की। यह जीवन को बदलने की मसीह की सामर्थ को दर्शाता है।

5. प्रारंभिक कलीसिया के दो कार्यालयों को सूचीबद्ध और परिभाषित करें।

   बिशप शिक्षा देते थे और प्रचार करते थे। वे समूह की देखभाल करते थे, विशेष रूप से उनकी आत्मिक आवश्यकताओं की।

   डीकनों के पास भौतिक सेवा के क्षेत्रों की ज़िम्मेदारी थी।

6. तितुस का पौलुस के साथ क्या संबंध था?

   तितुस एक अन्यजाति था जिसने संभवतः पौलुस की सेवा के दौरान प्रभु को ग्रहण किया था और उसके सहायकों में से एक बन गया था।

7. तीतुस को पत्री लिखने का पौलुस का उद्देश्य क्या था?

   तितुस को स्थानीय कलीसिया की उन्नति में मार्गदर्शन देने के लिए

8. अच्छे कामों की वे दो प्रेरणाएं क्या हैं जो पौलुस तीतुस को देता है?

   कि परमेश्वर के वचन की निन्दा न हो

   परमेश्वर की शिक्षा को मानना और इसकी सराहना करना

9. युहन्ना मरकुस का अनुभव 2 तीमुथियुस में पौलुस के विश्वासयोग्यता के संदेश के साथ कैसे सही बैठता है?

   यूहन्ना मरकुस ने एक बार पौलुस के मिशनरी समूह को छोड़ दिया था और घर लौट गया था। परन्तु 15 साल बाद उसने अपनी प्रतिबद्धता और विश्वासयोग्यता को साबित किया।

10. उन चार तरीकों को सूचीबद्ध करें जिनके द्वारा पासबानी पत्र आज कलीसिया से बात करते हैं।

    सही शिक्षा का महत्व

    कलीसिया के अगुओं के लिए योग्यता

    सुसमाचार के प्रदर्शन के लिए अच्छे कार्यों का महत्व

    जीवन भर विश्वासयोग्य रहने की बुलाहट

पाठ 10 के प्रश्नों के उत्तर

1. इब्रानियों से यहूदा तक की पुस्तकों को ठ सामान्य पत्रियां ठ क्यों कहा जाता हैं?

   उन्हें किसी विशिष्ट लोगों के समूह या किसी ऐसे व्यक्ति के लिए लिखा गया है जिनके विषय में हम बहुत कम जानते हैं।

2. इब्रानियों के लेखक के रूप में पौलुस के पक्ष में दो तर्कों को सूचीबद्ध करें।

कोई भी दो:

मसीह के व्यक्तित्व और कार्य पर इसका ज़ोर

लेखक का तीमुथियुस से संबंध

अंतिम अध्याय में आशीष की प्रार्थना

3. इब्रानियों के लेखक के रूप में पौलुस के खिलाफ दो तर्कों को सूचीबद्ध करें।

इसमें मसीह यीशु वाक्यांश का उपयोग नहीं किया गया है।

इसमें पौलुस के अन्य पत्रों की तरह कोई अभिवादन नहीं है।

4. दो तरीकों को सूचीबद्ध करें जिनके द्वारा इब्रानियों की पुस्तक पुराने नियम के लिए बड़ा सम्मान व्यक्त करती है।

इब्रानियों 11 में महापुरुषों का उल्लेख पुराने नियम से है।

इब्रानियों में दी गयी शिक्षाएं पुराने नियम के लेखों पर आधारित है।

5. नयी वाचा पुरानी वाचा से कैसे बेहतर है?

नई वाचा में पुरानी वाचा में किया गया वादा पूरा होता है।

6. पीछे हटने और विश्वासत्याग में क्या अंतर है?

कोई भी व्यक्ति पाप या विश्वास की कमी से पीछे हट सकता है, परन्तु धर्मत्याग में एक व्यक्ति मसीही विश्वास के सत्य को त्याग देता है।

7. यीशु का भाई याकूब, यीशु मसीह को मसीहा के रूप में कब मानने लगा?

यीशु के पुनरुत्थान के बाद

8. अभिवादन के आधार पर, वे कौन लोग हो सकते हैं, जिनको याकूब यह पत्र लिखता है?

यहूदी मसीही जो यरूशलेम और यहूदिया से बाहर रहते हैं

9. एक अनुच्छेद में, याकूब 2:24 के बीच (मनुष्य कामों से धर्मी ठहरता है, केवल विश्वास के द्वारा नहीं) और रोमियों 3:28 (मनुष्य व्यवस्था के कामों के बिना विश्वास के द्वारा धर्मी ठहरता है) के बीच के संबंध को दर्शायें।

याकूब उन लोगों को लिखता है जो यह मानते हैं कि विश्वास में सुसमाचार के सत्य को मानिसक रूप से ग्रहण कर लेना ही काफी है। रोमियों की पत्री को उन लोगों को लिखा गया था जो व्यवस्था का पालन करके उद्धार अर्जित करने का प्रयास कर रहे थे। याकूब की पत्री दर्शाती है कि सच्चे उद्धार रूपी विश्वास से जीवन बदल जाता है।

10. ऐंटिमोनियज़म को परिभाषित करें।

यह वह झूठी शिक्षा है, जिसके अनुसार मसीही लोग किसी नैतिक कानून का पालन करने के लिए बाध्य नहीं हैं

पाठ 11 के प्रश्नों के उत्तर

1. पतरस के अभिवादन में ''बाबुल'' का संभावित अर्थ क्या हो सकता है?

यह रोम को परमेश्वर के लोगों के शत्रु के रूप में संदर्भित करता है।

2. 1 पतरस में कलीसिया किस तरह के खतरे का सामना करती है?

सताव

3. 2 पतरस में कलीसिया किस तरह के खतरे का सामना करती है?

झूठी शिक्षा

4. 2 यूहन्ना में ''चुनी हुई महिला और उसके बच्चों'' वाक्यांश की दो संभावित व्याख्याएं क्या हैं?

एक महिला जिसने कलीसिया को अपने घर में संगति करने दी

एक स्थानीय कलीसिया और इसके सदस्य

5. पाप के विषय में 1 यूहन्ना की शिक्षा में कौन-से दो सत्य महत्वपूर्ण हैं?

परमेश्वर विजयी जीवन के लिए सामर्थ प्रदान करता है।

परमेश्वर उन लोगों के लिए क्षमा का अनुग्रह प्रदान करता है जो पाप में पड़ते हैं और पश्चाताप करते हैं।

6. 1 यूहन्ना के अनुसार, परमेश्वर की किसी भी संतान में कौनसी तीन विशेषताएँ देखी जाएँगी?

सत्य के प्रति आज्ञाकारिता

जानबूझकर पाप न करना

अन्य मसीहियों के लिए प्रेम

7. 3 यूहन्ना का प्राथमिक उद्देश्य क्या था?

   मसीही आतिथ्य के विषय में शिक्षा देना

8. यहूदा और यीशु के बीच क्या संबंध था?

   सौतेले भाई

पाठ 12 के प्रश्नों के उत्तर

1. पहली सदी में ''सीज़र *डोमिनस एट देस नॉस्टर''* वाक्यांश का क्या अर्थ था?

   सीजर हमारा प्रभु और परमेश्वर है।

2. पतमुस द्वीप कहाँ है?

   एजियन सागर में एक छोटा सा द्वीप

3. प्रकाशितवाक्य की सबसे संभावित तारीख क्या है?

   डोमिनिटियन के शासनकाल के अंत के दौरान (81-96 ईसा पश्चात)

4. उन तीन तरीकों को सूचीबद्ध करें, जिनके द्वारा यूहन्ना ने यह संदेश दिया कि यीशु प्रभु है।

   सात कलीसियाओं को संदेश

   परमेश्वर का अपने सिहांसन पर बैठे हुए और विजयी मेमने के रूप में यीशु का दर्शन

   स्वर्ग के परिप्रेक्ष्य से इतिहास का एक दृष्टिकोण

5. अंत के समय के साहित्य की दो विशेषताओं को सूचीबद्ध करें।

   प्रतीकों का उपयोग

   दर्शनों का उपयोग

6. प्रकाशितवाक्य के चार दृष्टिकोणों में से प्रत्येक को संक्षेप में परिभाषित करें।

   प्रिटरिस्ट दृष्टिकोणः प्रकाशितवाक्य को रोमन साम्राज्य के दौरान लिखा गया।

   ऐतिहासिक दृष्टिकोणः प्रकाशितवाक्य कलीसिया के इतिहास का एक प्रतीकात्मक दृष्टिकोण है।

आदर्शवादी दृष्टिकोणः प्रकाशितवाक्य केवल अच्छाई और बुराई के बीच की लड़ाई का प्रतीक है।

भविष्यवादी दृष्टिकोणः प्रकाशितवाक्य 4-22 भविष्य के विषय में है।

7. भविष्यवादियों के भविष्य के विषय में चार दृष्टिकोणों को सूचीबद्ध करें।
   क्लासिकल प्रीमिनिलियनिज़्म
   डिस्पेंसेशनल प्रीमेलेनियलिज़्म
   पोस्टमिलेनियलिज़्म
   एमिलेनियलिज़्य

8. प्रकाशितवाक्य में तीन प्रमुख विषयों को सूचीबद्ध करें।
   यीशु प्रभु है
   सब कुछ परमेश्वर के हाथ में है
   परमेश्वर के लोगों के लिए विजय